Press News of World Soil Day 2023 celebration in the different centres of SLUSI

Hyderabad Centre

विश्व मृदा दिवस समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 06 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय मृदा एवं भू - उपयोग सर्वेक्षण के हैदराबाद केंद्र द्वारा कार्यालय के अध्यक्ष श्री ए. विलियम मारिया जोसेफ मृदा सर्वेक्षण अधिकारी के दिशा निर्देश में 05 दिसंबर 2023 को विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), हैदराबाद के वैज्ञानिक श्रीमती सुजाता जी., एम. ए. फैज़ी, जा. रा. सुरेश जी. , तारिक मित्रण, सुबोध ने हिस्सा लिया । कार्यक्रम का शुभारंभ श्री वाय. सुरेश कुमार, सहायक मृदा सर्वेक्षण अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुरोमा नियोगी द्वारा किया गया । श्रीमती सुजाता जी द्वारा वर्तमान में मृदा प्रदूषण के बढ़ने तथा उसे नियंत्रित करने के बारे जानकारी दी, तारिक मित्रण ने मृदा उर्वरता के तेजी से गिरावट पर गहन चिंता जाहीर की तथा हम अपने पर्यावरण को किस प्रकार से सजो सकते है, की जानकारी विस्तार से दी। जा. रा. सुरेश जी. ने भारतीय मृदा एवं भू - उपयोग सर्वेक्षण की सराहना की, कर्मवीर सहायक क्षेत्र अधिकारी ने मृदा सर्वेक्षण में अपने अनुभव तथा फील्ड कार्य मे आने वाली कठिनाई से किस प्रकार से बचा जा सकता है की जानकारी को साझा किया, डॉ. एस. के. कुमावत, सहायक क्षेत्र अधिकारी ने मृदा क्षेत्र कार्य को कैसे आसानी से कर सकते है, के बारे में बताया । श्री वी. नागेंद्र, सहायक तकनीकी अधिकारी ने मृदा में कार्बन के महत्व को स्पष्ट करते हुए बताया की मृदा परीक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण तकनीकी परामर्श सेवा है जिसका मुख्य सिद्धान्त मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता को संरक्षित रखते हुये लगातार फसलोत्पादन लेना है । सहायक क्षेत्र अधिकारी डॉ. डी. राजा द्वारा स्वस्थ मृदा से किसान के जीवन में होने वाले लाभ एवं इसके महत्व के बारे में बताया । डॉ. चेतना बी. ने मृदा क्षरण से होने वाले नुकसान व इसको रोकने के उपाय बताते हुए किसी खेत की मृदा से मृदा नमूना लेने के बारे मे बताया तथा भारतीय विद्याभवन विद्याआश्रम स्कूल राजेन्द्रनगर की कक्षा 4 की छात्रा साक्षी ने मृदा के विभिन्न प्रकारों के बारे में बताया जिसमे मृदा के बारे अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी समावेशित थी । कार्यक्रम के कर्मवीर, डॉ. एस. के. कुमावत, डॉ. एस. के. त्रिपाठी, डॉ अमोल एल शिंदे, जया बी तामगड़गे, ए. पार्थिबन, काव्या उमेश, डॉ दरावत राजा, रोहित ए. पी. , डॉ शिवराज, पवन जी. अंकेश आननद, बी. रमावती, श्री किरण कुमार एच.ए. एवं श्रीनिवास प्रसाद, एन.आर.पी. रेड्डी, दिलीप कुमार, कुमार कृष्ण कन्हेया एवं जयअम्मा ने हिस्सा लिया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरा सहयोग किया । सहायक मृदा सर्वेक्षण अधिकारी श्री वाय. सुरेश कुमार द्वारा मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन के लिये जैविक खेती को बढ़ावा देने के साथ-साथ रासायनिक खादों का उचित एवं संतुलित प्रयोग करने पर विशेष जोर दिया । जिससे मृदा में पाए जाने वाले सूक्ष्म जीवों एवं कार्बनिक पदार्थो का संरक्षण किया जा सके, आदि के बारे मे बताते हुए कार्यक्रम का समापन किया ।

Hyderabad Edition Dec 7, 2023 Page No. 11
Powered by : eReleGo.com

हिन्दी मिलाप

भारतीय मृदा एवं भू-उपयोग सर्वेक्षण ने मनाया विश्व मृदा दिवस समारोह

भारतीय मृदा एवं भू-उपयोग सर्वेक्षण के हैदराबाद केंद्र द्वारा आयोजित विश्व मृदा दिवस समारोह में उपस्थित अधिकारी व अन्य।

हैदराबाद, 6 दिसंबर-(मिलाप ब्यूरो)

भारतीय मृदा एवं भू-उपयोग सर्वेक्षण के हैदराबाद केंद्र द्वारा कार्यालय अध्यक्ष ए. विलियम मारिया जोसेफ मृदा सर्वेक्षण अधिकारी के दिशा निर्देश में विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया। अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), हैदराबाद की वैज्ञानिक सुजाता जी., एम. ए. फैज़ी, जा.रा. सुरेश जी., तारिक मित्रण, सुबोध ने भाग लिया।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम का शुभारंभ वाई. सुरेश कुमार, सहायक मृदा सर्वेक्षण अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुरोमा नियोगी द्वारा किया गया। सुजाता द्वारा वर्तमान में मृदा प्रदूषण के बढ़ने तथा उसे नियंत्रित करने के बारे जानकारी दी। तारिक मित्रण ने मृदा उर्वरता के तेजी से गिरावट पर गहन चिंता जाहिर करते हुए पर्यावरण को किस प्रकार से बचाया जा सकता है, इसकी जानकारी दी। जा.रा. सुरेश जी. ने भारतीय मृदा एवं भू- उपयोग सर्वेक्षण की सराहना की। कर्मवीर सहायक क्षेत्र अधिकारी ने मृदा सर्वेक्षण में अपने अनुभव तथा फील्ड कार्य में आने वाली कठिनाई से किस प्रकार से बचा जा सकता है, इसकी जानकारी साझा की। डॉ. एस.के. कुमावत, सहायक क्षेत्र अधिकारी ने मृदा क्षेत्र कार्य को कैसे आसानी से कर सकते हैं, इस पर चर्चा की। वी. नागेंद्र, सहायक तकनिकी अधिकारी ने मृदा में कार्बन के महत्व को स्पष्ट करते हुए बताया की मृदा परीक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण तकनीकी परामर्श सेवा है, जिसका मुख्य सिद्धान्त मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता को सरंक्षित रखते हुये लगातार फसलोत्पादन लेना है। सहायक क्षेत्र अधिकारी डॉ. डी. राजा द्वारा स्वस्थ मृदा से किसान के जीवन में होने वाले लाभ एवं इसके महत्व के बारे में बताया। डॉ. चेतना बी. ने मृदा क्षरण से होने वाले नुकसान व इसको रोकने के उपाय बताते हुए किसी खेत की मृदा से नमूना लेने के बारे में जानकारी दी। भारतीय विद्याभवन विद्याआश्रम स्कूल, राजेन्द्रनगर की कक्षा 4 की छात्रा साक्षी ने मृदा के विभिन्न प्रकारों की जानकारी दी। इसमें मृदा के बारे अन्य महत्वपूर्ण जानकारी समावेशित थी ।

डॉ. एस.के. कुमावत, डॉ. एस.के. त्रिपाठी, डॉ. अमोल एल. शिंदे, जया बी. तामगड़गे, ए. पार्थिबन, काव्या उमेश, डॉ. दरावत राजा, रोहित ए.पी., डॉ. शिवराज, पवन जी. अंकेश आनंद, बी. रमावती, किरण कुमार एच.ए., श्रीनिवास प्रसाद, एन.आर.पी. रेड्डी, दिलीप कुमार, कुमार कृष्ण कन्हैया एवं जयअम्मा ने कार्यक्रम में भाग लिया। सहायक मृदा सर्वेक्षण अधिकारी वाई. सुरेश कुमार द्वारा मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन के लिये जैविक खेती को बढ़ावा देने के साथ रासायनिक खादों का उचित एवं संतुलित प्रयोग करने पर विशेष जोर दिया।

लोकमत

आकोट येथे मृदा दिवस उत्साहात

लोकमत न्यूज नेटवर्क

भुयार : आपल्या दैनंदिन जीवनात मृदा अधिक महत्त्वाची आहे. आपल्याला मातीचे महत्त्व सांगण्यासाठी व मातीच्या गुणवत्तेची जाणीव करून देण्यासाठी मंगळवारी जागतिक मृदा दिन पवनी तालुक्यातील आकोट येथे भारतीय मृदा व भू उपयोग सर्वेक्षण विभाग नागपूर व ग्रामपंचायत यांच्या संयुक्त विद्यमाने साजरा करण्यात आला.

यावेळी सरपंच विजय भुरे, रामेश्वर बिलवणे, अनिल तेलमासरे, राजेश भुरे, सुलोचना जिभकाटे, नलू घाटोळे, रेखा भुरे, शीतल भुरे आदी उपस्थित होते. माती वाचवण्याची गरज का आहे. मातीचे प्रशिक्षण महत्त्वाचे का असते, प्रदूषण व कीटकनाशकांच्या अतिवापरामुळे दरवर्षी मातीची गुणवत्ता ही कमी का होत जाते, यासंदर्भात संबंधित विभागाच्या अधिकाऱ्यांनी जिल्हा परिषद शाळेत शेतकऱ्यांना मार्गदर्शन केले.

मानवाच्या बदलत्या जीवनशैलीचा परिणाम, पर्यावरणाचा ऱ्हास आणि अशा प्रकारच्या इतर अनेक कारणांमुळे मृदेची झीज मोठ्या प्रमाणावर होते. यासंदर्भात जागरूकता करण्याच्या दृष्टीने २०१३ साली सयुंक्त राष्ट्राच्या महासभेत ५ डिसेंबर हा जागतिक मृदा दिवस साजरा करण्याचा संकल्प करण्यात आला. जीवनासाठी माती अत्यावश्यक आहे. अन्न, वस्त्र, निवारा आणि औषधी यासह जीवनाच्या चार प्रमुख साधनांचा स्रोत आहे. त्यामुळे मातीचे संवर्धन आवश्यक आहे. याशिवाय माती वेगवेगळ्या प्रमाणात खनिजे, सेंद्रिय पदार्थ आणि हवा यांनी बनलेली असते. जीवनासाठी ते महत्त्वाचे आहे कारण ते वनस्पतींच्या वाढीसाठी एक माध्यम आहे. अनेक कीटक आणि इतर जीवांचे घर आहे. जंगलतोडीवर बंदी घालावी. वृक्षलागवडीवर विशेष भर द्यावा. बांधकाम आणि खाणकामात मातीची धूप होण्यापासून संरक्षण करण्यावर भर दिला पाहिजे. शेताची नांगरणी उताराच्या विरुद्ध करावी.

माती प्रदूषण थांबविण्यासाठी आपण काय केले पाहिजे?

- पर्यावरणास अनुकूल, बागकाम, साफसफाईची आणि वैयक्तिक काळजीची उत्पादने निवडा. रासायनिक खताचे दुष्परिणाम यासंदर्भाचे मार्गदर्शन सहायक क्षेत्र अधिकारी जे. पी. सुमन, डॉ. धनश्री पाबले, चंचलेश रघुवंशी, डॉ. राजकुमार बनकर, डॉ. जयश्री खुसपुरे, अक्षय पाटील या संबंधित अधिकाऱ्यांनी मार्गदर्शन केले. संचालन देवेंद्र देशमुख यांनी केले. कार्यक्रमाला मोठ्या संख्येने शेतकरी उपस्थित होते.

Hello Bhandara
Page No. 3 Dec 07, 2023
Powered by: erelego.com

लोकमत

जागतिक मृदा दिनानिमित्त आयोजित कार्यक्रमात उपस्थित मान्यवर.

मृदा व जलसंधारण काळाची गरज

डॉ. संजय बालपांडे : जागतिक मृदा दिनानिमित्त शेतकऱ्यांना मार्गदर्शन

लोकमत न्यूज नेटवर्क

नागपूर : रासायनिक खते तसेच पाण्याच्या अतिवापरामुळे शेतजमिनीची धूप होत आहे. पिकांसाठी आवश्यक सूक्ष्मअन्नद्रव्यांचे प्रमाणही घटले आहे. त्यासाठी शेतकऱ्यांनी एकात्मिक अन्नद्रव्यांचे व्यवस्थापन व नियोजन करावे. मातीचे आरोग्य वाढविण्यासाठी शेतकऱ्यांनी मृदा व जलसंधारणावर भर द्यावा, असे आवाहन नागपूरच्या कृषी महाविद्यालयातील मृदा विज्ञान विभागाचे प्रा. डॉ. संजय बालपांडे यांनी केले.

जागतिक मृदा दिनानिमित्त नागपूरच्या मृदा व भू-उपयोग सर्वेक्षण विभागाच्या वतीने आयोजित कार्यक्रमात ते बोलत होते.

यावेळी मातीचे आरोग्य व त्यातील सूक्ष्मअन्नद्रव्यांचे प्रमाण किती असायला हवे, मातीचे भौतिक गुणधर्म काय आहेत, हे समजण्यासाठी नियमित मृदा तपासणी आवश्यक असल्याचे डॉ. बालपांडे म्हणाले. प्रास्ताविक मृदा सर्वेक्षण अधिकारी दिनेश पटेल यांनी केले.

कार्यक्रमाला गोधणीचे सरपंच दीपक राऊत यांच्यासह अनेक शेतकरी उपस्थित होते. मृदा व भू-उपयोग सर्वेक्षण विभागाच्या कामकाजाविषयी सहायक मृदा सर्वेक्षण अधिकारी सुनील धारगावे यांनी माहिती दिली, तर कार्यक्रमाचे संचालन सहायक क्षेत्र अधिकारी हर्षल बोलके यांनी केले.

Hello Nagpur
Page No. 5 Dec 08, 2023
Powered by: erelego.com

Noida Centre

कृषि एव किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के तत्वधान में विश्व मृदा दिवस-2023 का आयोजन

जे टी न्यूज, नोएडा: विश्व मृदा दिवस हर वर्ष 5 दिसम्बर को मनाया जाता है और इसका उद्देश्य मिट्टी के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस वर्ष विश्व मृदा दिवस-2023 का विषय ह्यमृदा एवं जल-जीवन का स्रोत हैह्व रहा क्योंकि मिट्टी हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है, जो पौधो को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करती है। यह कृषि उपज में वृद्धि के लिए विस्तृत रूप में कार्य करता है और विविध जैविक प्रजातियों का घर है। मिट्टी की इसी महत्ता पर विस्तृत रूप से चर्चा करने के लिए कृषि एव किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के भारतीय मृदा एवं भू-उपयोग सर्वेक्षण (एस.एल.यू.एस.आई.) विभाग के तत्वाधान में नोएडा केंद्र पर विश्व मृदा दिवस को कार्यक्रम को मनाया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधार परिषद् के एन.बी.एस.एस.एल.यू.पी. विभाग की मुख्य वैज्ञानिक डॉ जया एन सूर्या, कृषि विज्ञान केंद्र, नोएडा के प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डॉ मयंक राय एवं उप निदेशक (कृषि), उत्तर प्रदेश सरकार ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढाई तथा इन सभी अतिथियों ने मिट्टी की उपयोगिता एवं उसके स्वास्थ्य की बात पर अपने विचार-विमर्श व सुझाव से सभी किसानो को अवगत कराया । एस.एल.यू.एस.आई. विभाग के मुख्य मृदा सर्वेक्षण अधिकारी श्री मिलिंद वड़ोदकर और नोएडा केंद्र के मृदा सर्वेक्षण अधिकारी ने सभी अतिथियों का हृदय से स्वागत व अभिनंदन किया। विश्व मृदा दिवस के इस कार्यक्रम में अलग अलग गांवो से सभी तरह के पुरुष एवं महिला किसानों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को सुशोभित किया । इस अवसर पर सभी किसानों को पुष्प गुच्छ व शाल देकर सम्मानित किया गया । एस.एल.यू.एस.आई. विभाग के मुख्य मृदा सर्वेक्षण अधिकारी महोदय ने

उनके विभाग की गतिविधियों के बारे में किसानो को अवगत कराया तथा मृदा का स्वास्थ्य बनाये रखने के लिए जैविक खाद की महत्ता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला व साथ ही जैविक खेती को बढावा देने के लिये जैविक खाद के रुप मे वर्मी कम्पोस्ट एवं विभिन्न सब्जियों के बीज के पैकेट्स बांटे । किसानो ने भी अपने खेती करने के तरीकों को एक दूसरे से बिचार साझा किये तथा मृदा नमूनों को लेने की विधि पर विस्तृत जानकारी लेने के लिए वैज्ञानिको से चर्चा की गई । साथ ही मृदा नमूनों का विश्लेषण होने के उपरांत मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार कर उपयुक्त फसलों के चयन एवं खाद व उर्वरकों की उचित मात्रा में उपयोग करते हुए अधिक उत्पादन लेने के लिये जैविक खेती के महत्व को साझा किया गया। एस.एल.यू.एस.आई. विभाग के नोएडा केंद्र के प्रमुख डॉ अशोक कुमार यादव ने किसानों से मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर ध्यान देने का आग्रह किया और कहा कि जैविक खेती से थोडा उत्पादन कम हो सकता है, लेकिन मृदा के स्वास्थ्य के साथ-साथ अन्य सभी तरह के जीवो का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। उन्होने सभी अतिथियों का इस कार्यक्रम में शामिल होने पर आभार व्यक्त किया ।